JESUS REDEEMS MINISTRIES

युवा जीवन

नवंबर 2024

फिर भी देरी क्यों?

जब सर्व सामर्थी तुम्हारे लिए उत्सुक हो, तो उत्साह से दौड़ो।

हर पांचवें रविवार को हमारे पास युवाओं के लिए एक विशेष कार्यक्रम होता है - "रिवाइवल इग्नाइटर फ़ेलोशिप"। यह जीसस रिडीम्स मिनिस्ट्रीज के यूट्यूब चैनल पर 29/12/2024 को दोपहर 3:00 बजे "लाइव" प्रसारित किया जाएगा। कृपया अधिक जानकारी के लिए नीचे दिए गए नंबर पर हमसे संपर्क करें।

संपर्क संख्या : +919750955548

इग्नाइटर्स यूथ फ़ेलोशिप एक जगह है जहां युवा अपनी आध्यात्मिकता को प्रज्वलित करते हैं जीवन की गहन सच्चाइयों की खोज करें बाइबल, और प्रार्थना करने में शक्ति पाएँ एक समूह के रूप में देश।आपका स्वागत है इस फ़ेलोशिप में शामिल होने और बढ़ने के लिए मज़बूत। चलो भी! अपने आप को मजबूत करो,और दूसरों को मजबूत करने के लिए तैयार हो जाइये !

हर पहले रविवार

Mumbai – Dharavi
Timing: 5.00 PM- 7.30 PM
World Revival Prayer Centre
2nd Floor, Above Balakrishna
Farsan Mart, Opp. Apna Restaurant,
Near Kamarajar School,
90 Feet Road,
9004882470

हर दूसरे रविवार

THANE
Timing: 5PM - 7:30PM
R.P. Mangala High School
(Near Railway Station),
Room No.10,
Opp. Bank of Maharashtra,
Thane (East)
9004882470

हर चौथे रविवार

Mumbai-Malad
Timing: 4.00 PM – 6.00 PM
Bethel Ground Floor
305/E, Mith Chauky,
Marve Road,
Malad (W)
9664050567 | 9619996976

टालमटोल क्यों?

प्रस्तावना

प्रिय नवजवानों, यीशु के नाम में आपको अभिनन्दन! मैं अपने हृदय की गहराई से परमेश्वर की स्तुति करता हूँ, जो आपको निरंतर विजय की ओर ले जाता है। मैं सर्वशक्तिमान को उस गरम-जोशी के लिए धन्यवाद देता हूँ जिसके साथ आप में से कई लोग अपने राज्यों और जिलों में जोश से सेवा कर रहे हैं, खासकर इस महत्वपूर्ण अंतिम समय के बेदारी के दौरान जहाँ युवा लोगों की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

जबकि हम बेदारी की ओर अग्रसर हैं, कुछ कार्य विलंबित रह गए हैं, जो परमेश्वर के हृदय में चिंता का विषय है। यरूशलेम में, लोगों ने शुरू में वेदी बनाई और परमेश्वर को बलिदान चढ़ाया। फिर उन्होंने मंदिर की नींव रखी। हालाँकि, जब विरोध हुआ, तो उन्होंने न केवल कुछ दिनों के लिए बल्कि चौंका देने वाले 15 वर्षों के लिए काम छोड़ दिया। वे अंततः मंदिर के बारे में भूल गए और केवल अपने व्यक्तिगत मामलों पर ध्यान केंद्रित किया, इसके बजाय अपने स्वयं के घर बनाए। शास्त्र हमें बताता है कि परमेश्वर ने फारस के राजा कुस्रू की आत्मा को जगाया, जिससे एक समूह यरूशलेम में मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए बेबीलोन से उठ खड़ा हुआ। बाद में, नबी हाग्गै के माध्यम से, परमेश्वर ने, मुख्य पुजारी जरुब्बाबेल, यहोशू और लोगों की आत्माओं को बेदार किया, और उन्हें मंदिर पूरा करने के लिए मजबूर किया।

आज, मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि आप इस बात पर विचार करें कि आपने परमेश्वर द्वारा आपको सौंपी गई ज़िम्मेदारियों को कितनी अच्छी तरह से पूरा किया है। कितने काम अधूरे रह गए हैं? हम अपने व्यक्तिगत काम को समय पर पूरा करने में शायद ही कभी हिचकिचाते हैं, फिर भी जब परमेश्वर के काम की बात आती है, तो हम अक्सर बहाने बनाते हैं। हमारी देरी परमेश्वर के राज्य की प्रगति में बाधा डाल सकती है, कभी-कभी इसे ठप भी कर सकती है।

परमेश्वर ने आपको जरुब्बाबेल की तरह ही नेताओं के रूप में चुना है। जब आपको अपनी प्रतिबद्धता में विश्वास के आधार पर कोई ज़िम्मेदारी सौंपी जाती है, तो विलंब परमेश्वर की योजना को बाधित कर सकता है। इसलिए, मैं आपको विलंब से बचने और अपने प्रयासों को तीव्रता और तत्परता के साथ करने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ, जिससे परमेश्वर के दिल को खुशी मिले।

हिम्मत हारे बिना आगे बढ़ते रहो! चाहे आप कितनी भी बाधाओं का सामना करें, उन्हें तोड़ें और आगे बढ़ें।

परमेश्वर आपके हाथों और दिलों को मजबूत करे जबकि वह आपके साथ खड़ा है!

मसीह के मिशन में
मोहन सी. लाजर

संघर्ष से सफलता तक का सफ़र

आइए भाई लियो एडमन की अविश्वसनीय यात्रा पर नज़र डालें, जो तमिलनाडु के कन्याकुमारी में सबसे गरीब परिवारों में से एक में जीभ-बंधन के साथ पैदा हुए थे। एक बच्चे के रूप में, वह 10 साल की उम्र तक बोलने में कठिनाई से जूझते रहे, हर कदम पर कठिनाई का सामना करना पड़ा। लेकिन आज, वह एक चिकित्सक सहायक के रूप में प्रतिष्ठित हैं, जो कौशल और करुणा के साथ कैंसर रोगियों की देखभाल करते हैं। उनकी ज़िंदगी उस साधारण शुरुआत से एक चिकित्सक बनने तक कैसे बदल गई? आइए, उनकी प्रभाव-शाली कहानी को उजागर करें!

क्या आप हमें अपने परिवार और शुरुआती जीवन के बारे में बता सकते हैं?

मेरा जन्म कन्याकुमारी के थक्कलाई में एक मध्यम वर्गीय परिवार में हुआ था। मेरे पिता राजमिस्त्री का काम करते हैं, और मेरी माँ गृहिणी हैं। मेरी एक बड़ी बहन है। जिस घर में हम रहते थे वह सिर्फ़ एक छप्पड़ की झोपड़ी थी, इसलिए बारिश के मौसम में छत से पानी टपकता था। हम जहाँ टपकते थे वहाँ बर्तन और पैन रख देते थे। हमारे परिवार की स्थिति ऐसी ही थी। हम आर्थिक रूप से बहुत संघर्ष कर रहे थे। स्कूल के दिनों में, मैं अक्सर सुबह पानी पीकर बाहर निकल जाता था। दोपहर का खाना? आमतौर पर सादा चावल होता था, और मैं उसके साथ एक रुपये का अचार खरीदता था। यही मेरा स्कूल लंच था। मेरे दोस्त मेरा मजाक उड़ाते थे, लेकिन यह मेरी सच्चाई थी।" इससे भी बदतर बात यह थी कि मैं जीभ-बंधन के साथ पैदा हुआ था, जिससे मेरे लिए बोलना मुश्किल हो गया था। मैं बहुत हकलाता था, और हर कोई मुझे चिढ़ाता था, कहता था, "वह अपने जीवन के बाकी समय ऐसे ही बोलेगा।"

एक दिन, जब मेरी माँ एक प्रार्थना कक्ष में गई, जहाँ परमेश्वर ने यशायाह 32:4 में वचन के माध्यम से उससे बात की। "हकलाने वाली जीभ धाराप्रवाह और स्पष्ट हो जाएगी।" उसने उस वचन पर प्रतिदिन

प्रार्थना करना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे, जब मैं 10वीं कक्षा में पहुँचा, तो मैं स्पष्ट रूप से बोलने लगा। परमेश्वर ने मुझे ठीक कर दिया था! जब मैं 7वीं कक्षा में था, तो परमेश्वर के एक जन ने मुझसे कहा, "तुम होम्योपैथी डॉक्टर बनोगे।" उन शब्दों ने मुझमें जड़ें जमा लीं। एक कठिन संघर्ष के बाद, मैंने 10वीं कक्षा पूरी की और 12वीं कक्षा में विज्ञान चुना। लेकिन 12वीं के दौरान, मैं विषय को समझने में अपने संघर्षों के कारण रसायन विज्ञान में फेल हो गया।

रसायन विज्ञान में फेल होने का आपने कैसे सामना किया? आपकी मानसिक स्थिति कैसी थी?

एक विषय में फेल होने के बाद, मैं टूट गया था। मुझे लगा कि होम्योपैथी डॉक्टर बनने का मेरा सपना खत्म हो गया है और यह कभी नहीं होगा। जब मैं इस भारी मन से घर लौटा, तो मेरे पिता ने मुझे दो विकल्प दिए: या तो उनके साथ राजमिस्त्री के रूप में जुड़ जाऊँ या पास के पेट्रोल स्टेशन पर काम करूँ। मेरे दोस्तों ने सुझाव दिया कि मैं एक आर्ट्स कॉलेज जाऊँ और डिग्री पूरी करूँ। यह एक अच्छी योजना भी लग रही थी।

तो, 12वीं कक्षा में फेल होने के बाद परिस्थितियां कैसे बदल गईं?

उस दौरान, मैंने युवा संगति और प्रार्थना सभाओं में भाग लेना शुरू कर दिया। वहाँ एक भाई ने रसायन विज्ञान में मेरी मदद करने के लिए एक निजी शिक्षक की व्यवस्था की। शिक्षक ने विषय को सरल बनाया और इसे ऐसे तरीके से समझाया जिससे मैं समझ सकूँ। उन दिनों, मेडिकल सीट पाने के लिए एक निश्चित प्रतिशत अंकों की आवश्यकता होती थी, और यीशु ने मुझे ठीक वही दिया जिसकी मुझे आवश्यकता थी। फिर भी, मैं अपने दिल में घूम रहे सवाल को दूर नहीं कर सका: "क्या मुझे वास्तव में सीट मिलेगी?" उस पर भरोसा करते हुए, मैंने आगे बढ़कर आवेदन भरा और उसे जमा कर दिया। मुझे सीट मिल गई और मेरी पढ़ाई शुरू हो गई। लेकिन जब मैं होम्योपैथी में अपने पहले वर्ष के अंत में पहुँचा, तो मुझे एक और चुनौती का सामना करना पड़ा - मैं उस वर्ष की फीस नहीं दे सकता था। हर दिन, जब वे मुझे फीस का भुगतान करने की याद दिलाने के लिए मेरा नाम पुकारते थे, तो मैं बहुत अपमानित महसूस करता था। मेरे दोस्त मुझे नीची नज़र से देखने लगे। मुझे बताया गया कि मैं शिक्षा ऋण प्राप्त कर सकता हूँ, लेकिन इसे उच्च ब्याज दर वाले व्यक्तिगत ऋण में बदल दिया गया। मुझे ब्याज का भुगतान करने में संघर्ष करना पड़ा और मैं

अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने में असमर्थ था, जिसके कारण मुझे एक समय पर अपनी शिक्षा रोकनी पड़ी। इससे मुझे बहुत मानसिक तनाव हुआ।

आपने ऐसे कठिन समय का सामना कैसे किया?

एक समय, मैंने सुना कि एक होटल में कैशियर की जरुरत है, और मैंने उत्सुकता से नौकरी ज्वाइन कर ली क्योंकि वे दिन में तीन बार भोजन उपलब्ध कराते थे। उस समय मेरे लिए भोजन बहुत बड़ी बात थी। मैंने शर्म को नज़रअंदाज़ किया और नौकरी कर ली। उस फैसले ने मेरी ज़िंदगी बदल दी। मैंने उस होटल में सिर्फ़ दस दिन काम किया। जब मैं वहाँ था, तो मेरे कॉलेज के कई लोग खाने के लिए आते थे। एक दिन, मेरे कॉलेज के ऐसे ही एक व्यक्ति ने मुझे देखा और मेरे संघर्षों के बारे में जानने के बाद, मेरी ओर से कॉलेज प्रबंधन से बात की। इसके तुरंत बाद, कॉलेज ने मुझे बुलाया और पूछा, "क्या तुम अभी भी अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहते हो?" मैंने उत्सुकता से उत्तर दिया, "हाँ, मुझे पढ़ाई का बहुत शौक है!" उन्होंने मुझे अपनी सभी परीक्षाएँ लिखने की अनुमति दी, और मैं प्रथम श्रेणी के सम्मान के साथ उत्तीर्ण हुआ। लेकिन जब मैंने सोचा कि अगले तीन वर्षों के लिए फीस कैसे चुकाऊँगा, तो परमेश्वर ने चमत्कार किया उन्होंने पुराने बैंक मैनेजर की जगह एक नए को नियुक्त किया जिसने मुझे शिक्षा ऋण दिलाने में मदद की!

परमेश्वर की स्तुति हो! इतनी सारी बाधाओं को पार करने के बाद, अब आप कहाँ काम कर रहे हो?

मेरे एक मित्र एक प्रसिद्ध अस्पताल के कैंसर विभाग में काम करते थे। एक दिन, जब मैं उनसे मिलने गया, तो मुझे कैंसर से

जूझ रहे लोगों के लिए कुछ करने का बहुत बड़ा बोझ महसूस हुआ। इसलिए, मैंने उनसे इसके बारे में पूछा, और उन्होंने मुझे बताया कि उसी विभाग में एक रिक्ति थी। उत्साहित होकर, मैंने इसके लिए आवेदन किया, लेकिन चीजें ठीक नहीं हुईं, और मुझे नौकरी नहीं मिली। मैं पूरी तरह से पराजित महसूस कर रहा था, जैसे मैंने जो भी कोशिश की, वह विफल रही। उस भारी पल में, मैं एक युवा सभा में शामिल हुआ, लेकिन मैं खुद को प्रार्थना करने के लिए भी नहीं तैयार कर सका। इसके बजाय, मैं बस टूट गया और रोया, यह भी नहीं जानता था कि क्यों। मैं घर जाते समय रोता रहा। लेकिन अगले ही दिन, अचानक, मुझे उसी अस्पताल से फोन आया कि उनके पास कैंसर विभाग में एक रिक्ति है और मैं तुरंत शामिल हो सकता हूँ। तब से, पिछले 10 वर्षों से, मैं उस प्रतिष्ठित अस्पताल में एक चिकित्सक सहायक के रूप में काम कर रहा हूँ, जो कैंसर से जूझ रहे बच्चों की सेवा कर रहा है।

अद्भुत! आप परमेश्वर के लिए क्या कर रहे हैं, जिसने आपको ऊपर उठाया है और आपको इतना धन्य जीवन दिया है?

जब भी मैं अपने गृहनगर जाता हूँ, तो मैं जीसस रिडीम्स सेवकाई के साथ काम करता हूँ, गाँव के आउटरीच के माध्यम से मसीह के प्रेम को साझा करता हूँ। मैं अपने खाली समय में, अपने काम के घंटों के बाहर भी सुसमाचार का प्रचार करता हूँ। मैं कैंसर से पीड़ित बच्चों और वयस्कों से भी जुड़ता हूँ, उन्हें दया दिखाता हूँ और यीशु के प्रेम को साझा करता हूँ। उनकी खुशी देखकर मुझे बहुत खुशी होती है।

क्या आपको परमेश्वर से वे आशीषें मिली है जिसकी आप बचपन में लालसा करते थे?

हाँ बिल्कुल! यहाँ कुछ आशीषें हैं जो परमेश्वर ने मुझे दिए हैं: जब मैं बच्चा था, हम एक छोटे से छप्पर वाले घर में रहते थे, और बरसात के दिन वाकई बहुत मुश्किल होती थी। लेकिन अब, यीशु ने हमें एक खूबसूरत बंगले का आशीर्वाद दिया है। कोविड-19 अवधि के दौरान, मुझे चिकित्सा सेवा प्रदान करने के लिए लंबी दूरी तक पैदल चलना पड़ा। उस समय, मैंने एक सेकेंड हैंड वाहन खरीदने के बारे में सोचा, लेकिन यीशु ने मुझे इसके बजाय एक नई कार की आशीष दिया। जब से मैं छोटा था, मुझे विदेश यात्रा करने की इच्छा थी, लेकिन मुझे हमेशा संदेह था कि क्या यह कभी हो पाएगा। फिर भी, परमेश्वर की कृपा से मेरे लिए जापान में एक चिकित्सा सम्मेलन में भाग लेना संभव हो गया!

अविश्वसनीय! युवाओं के लिए आपका क्या संदेश है?

"अगर आपने कभी सोचा है, 'मैं असफल हो गया हूँ, मेरा भविष्य खत्म हो गया है, मेरे लिए कोई उम्मीद नहीं है, और आत्महत्या ही इसका समाधान है,' तो आप खुद को हार के मुहाने पर बंद कर रहे हैं। सिर्फ़ असफलताएँ ही हमारा भविष्य तय नहीं करती हैं। अपने सपनों की यात्रा में, हमें कई लड़ाइयों का सामना करना पड़ेगा। हिम्मत से आगे बढ़ने के लिए, हमें यीशु को सबसे आगे रखना होगा, अपने सभी डर को दूर करना होगा, और खुद को पूरी तरह से उनके हवाले करना होगा। जब हम ऐसा करेंगे, तो यीशु हमारे साथ चलेंगे, हमें हर बात में आशीषित करेंगे।

प्रिय नौजवानो! अगर परमेश्वर भाई लियो के जीवन में चमत्कार कर सकते हैं, जो एक गरीब परिवार में पैदा हुए थे और हकलाने की समस्या से जूझ रहे थे, और उन्हें आज एक शानदार डॉक्टर बना सकते हैं, तो वह आपके लिए भी ऐसा ही कर सकते हैं। क्या आप अटके हुए महसूस कर रहे हैं, आगे बढ़ने में असमर्थ हैं, सोच रहे हैं, 'मैं अपने वित्तीय संघर्षों या सीमाओं के कारण पढ़ाई नहीं कर सकता'? वही परमेश्वर जो डॉ. लियो के साथ थे, आपके साथ भी होंगे और आपके सपनों को पूरा करेंगे!!

फ्रैक्चर से दृढ़ता तक

सभी युवा सफल व्यक्तियों को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं। सफलता आसानी से प्राप्त होने वाली चीज़ नहीं है। जीत की मिठास का स्वाद चखने के लिए, व्यक्ति को न केवल मानसिक बल्कि शारीरिक प्रयास भी करने चाहिए। केवल वे ही जो संघर्षों के बीच डटे रहते हैं, वे ही इसे सही मायने में प्राप्त कर सकते हैं। ऐसी ही एक दृढ़ निश्चयी विजेता की कहानी आपके सामने है।

राधिका गुप्ता मूल रूप से उत्तर प्रदेश की हैं जिनका जन्म 1983 में पाकिस्तान में हुआ था। जन्म के समय एक नर्स की लापरवाही के कारण उनकी गर्दन में फ्रैक्चर हो गया, जिससे उनकी गर्दन हमेशा के लिए झुक गई। अपनी चुनौतियों के अलावा, उनकी आँखें भी टेढ़ी थीं। इस वजह से वे छोटी उम्र से ही अक्सर उपहास का पात्र बन जाती थीं।

भारतीय विदेश सेवा में उनके पिता के पेशे के कारण उन्हें चार महाद्वीपों पर रहना पड़ा और विभिन्न परिस्तिथियों में स्कूल जाना पड़ा। हर बार नए वातावरण में ढलना एक बड़ी कठिनाई थी। हालाँकि, उनके दृढ़ संकल्प ने उन्हें शैक्षिक रूप से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया, खासकर प्रौद्योगिकी और वित्त में। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिल्वेनिया से कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग और गणित में डिग्री हासिल की। इसके अलावा, उन्होंने प्रतिष्ठित व्हार्टन स्कूल से अर्थशास्त्र में डिग्री हासिल की, जिससे खुद को पेशेवर दुनिया के लिए तैयार किया।

लेकिन सफलता की राह आसान नहीं थी। राधिका को अपनी शारीरिक बनावट के कारण साक्षात्कारों में सात बार अस्वीकृति का सामना करना पड़ा। इससे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर बहुत बुरा असर पड़ा और वे आत्महत्या के कगार पर पहुंच गईं। फिर भी, एक करीबी दोस्त और मनोचिकित्सा चिकित्सा के सहयोग से, उन्होंने इन बुरे विचारों पर काबू पा लिया। उन्होंने अपने आलोचकों को गलत साबित करने का संकल्प लिया और लचीलेपन को अपना हथियार बनाया। आखिरकार, उन्हें मैकिन्से में नौकरी मिल गई।

2009 में, उन्होंने अपने पति के साथ मिलकर फ़ोरफ्रंट कैपिटल मैनेजमेंट की सह-स्थापना की। 2014 तक, उनकी कंपनी इतनी बढ़ गई थी कि एडलवाइस म्यूचुअल फ़ंड ने इसकी क्षमता को पहचानते हुए इसे खरीद लिया। राधिका की प्रतिभा और नेतृत्व ने जल्द ही उन्हें 2017 में सिर्फ़ 33 साल की उम्र में एडलवाइस में सीईओ के पद पर पहुंचा दिया। उनके मार्गदर्शन में, 2023 तक कंपनी का मूल्यांकन ₹6700 करोड़ से बढ़कर ₹1,04,896 करोड़ हो गया। उन्होंने जेपी मॉर्गन म्यूचुअल फंड के अधिग्रहण में भी मदद की।

राधिका की रणनीतिक सोच और नेतृत्व ने एडलवाइस को उद्योग में सबसे सफल और प्रशंसित फर्मों में से एक बना दिया। उनकी यात्रा इतनी उल्लेखनीय रही है कि उन्होंने अपने अनुभवों को वृत्तांत करते हुए एक किताब, 'लिमिटलेस' लिखी।

इसे पढ़ने वाले सभी भावी सफल लोगों के लिए, राधिका गुप्ता ने अनगिनत चुनौतियों को पार करके ही सफलता हासिल की। अपनी शारीरिक बाधाओं के बावजूद, उन्होंने उनका डटकर सामना किया और जीत हासिल की। इसी तरह, आपके सामने जो भी चुनौतियाँ हों, उन्हें एक तरफ़ रख दें और अपनी ताकत पर ध्यान केंद्रित करें। बाधाओं को पार करें और अपनी जीत का दावा करें।

Heart Beat

क्या तुम मेरी सेवा करोगे?

मैंने हाल ही में अपनी कॉलेज की शिक्षा पूरी की है और नौकरी पाने के लिए संघर्ष कर रहा हूँ। मेरा परम लक्ष्य विदेश में काम करना और अपने परिवार का भरण-पोषण करना था। लेकिन एक दिन, जब मैं एक युवा सभा में गया, तो परमेश्वर के एक सेवक ने मुझे बताया कि परमेश्वर ने मुझे सेवकाई के लिए चुना है और इसके बारे में एक संकेत भी दिया। मुझे लगता है कि परमेश्वर मुझे अपनी सेवा के लिए बुला रहा है, लेकिन मुझे यकीन नहीं है कि इस बुलावे की पुष्टि कैसे की जाए। मैंने देखा है कि परमेश्वर की ओर से वास्तविक बुलावे के बिना सेवकाई कितनी चुनौतीपूर्ण हो सकती है। मैं कैसे सुनिश्चित करूँ कि परमेश्वर वास्तव में मुझे सेवकाई के लिए बुला रहा है ? - जॉन, केरल

प्रिय भाई जॉन, आपके पत्र से एक ऐसा हृदय प्रकट होता है जो परमेश्वर के उत्तर और मार्गदर्शन की तलाश कर रहा है। एक ओर, आपके मन में विदेश में काम करने की इच्छा है, और दूसरी ओर, आप सेवकाई की ओर परमेश्वर के खिचाव को महसूस करते हैं। सबसे पहले, मैं कहूँगा कि परमेश्वर की सेवा करना एक सम्मान है; इस दुनिया में कोई भी नौकरी या पद इसकी तुलना नहीं कर सकता। बाइबल यहाँ तक कहती है कि "कोई भी व्यक्ति इस सम्मान को अपने ऊपर नहीं लेता; उसे परमेश्वर द्वारा बुलाया जाना चाहिए, जैसे हारून को बुलाया गया था।"

जब परमेश्वर किसी को अपने उच्च उद्देश्य के लिए बुलाता है, तो वह उस बुलावे को उसके लिए स्पष्ट

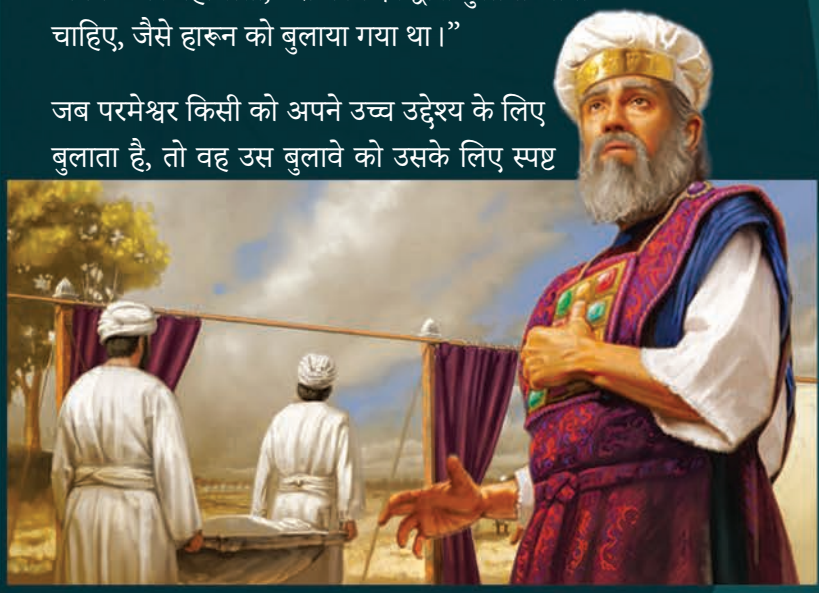

कर देता है। इसलिए, पहली बात जो आपको समझने की ज़रूरत है, वह है उसके बुलावे का पालन करना; आपको विश्वास होना चाहिए कि "जो मुझे बुलाता है, वह मेरी अगुवाई करेगा।" कई लोग कह सकते हैं, "अगर परमेश्वर मुझसे बात करता है, तो मैं सब कुछ पीछे छोड़ दूंगा और तुरंत उसकी सेवा करूंगा।" लेकिन अक्सर, संदेह उन्हें उस बुलावे में देरी या अनदेखी करने का कारण बनता है। परमेश्वर अपनी इच्छा को शास्त्र के माध्यम से, अपने सेवकों के माध्यम से, परिस्थितियों के माध्यम से, या यहाँ तक कि सीधे आपसे बात करके भी प्रकट कर सकता है। इन विभिन्न तरीकों से, वह अपना उद्देश्य बताता है। जब प्रभु बोलता है, तो आप अपने हृदय में शांति की गहरी भावना महसूस करेंगे।

कई बार, असली लड़ाई विश्वास और डर के बीच होती है। युवा लोग अक्सर कहते हैं, "अगर मैं सेवकाई के लिए जाता हूँ, तो मेरे परिवार की देखभाल कौन करेगा? क्या मेरे माता-पिता की देखभाल करना मेरी ज़िम्मेदारी नहीं है?" लेकिन सच्चाई यह है कि यह उनके मन में गहरी जड़ें जमाए हुए अविश्वास है, जो उन्हें स्पष्ट निर्णय लेने से रोकता है। वे सोचने लगते हैं, "मुझे ही सब कुछ संभालना है।" परमेश्वर की कृपा के बिना हम अपने दम पर कुछ भी हासिल नहीं कर सकते।

परमेश्वर से संकेत माँगना गलत नहीं है, लेकिन यह कहना कि, "मैं तभी विश्वास करूँगा जब आप मुझे कोई संकेत दिखाएँगे," सही तरीका नहीं है। गिदोन ने परमेश्वर से संकेत माँगा, और परमेश्वर ने उसकी माँग को स्वीकार करके अपने बुलावे की पुष्टि की। जो लोग परमेश्वर से गहराई से प्यार करते हैं और उनकी इच्छा को पूरा करने के लिए भावुक होते हैं, वे ही उनके उच्च बुलावे के प्रति समर्पित होंगे और उनके लिए कार्य करने के लिए उठ खड़े होंगे। पिछले कुछ वर्षों में, परमेश्वर के उच्च बुलावे के लिए खुद को समर्पित करने वाले युवाओं की संख्या में गिरावट आई है। इसका कारण यह है कि लोगों की मानसिकता "यीशु मुझे क्या देगा?" की ओर स्थानांतरित हो गई है

बजाय इसके कि "मैं यीशु के लिए क्या कर सकता हूँ, जिसने मुझे बनाया, मेरे लिए अपना जीवन दिया, और मुझे उद्धार दिया?" मसीह के प्रति कृतज्ञता और समर्पण की भावना लुप्त हो रही है।

जॉन, अपने प्रार्थना समय में, यदि आप यीशु के सामने आत्मसमर्पण करते हैं और पूछते हैं, "आप मुझसे क्या करवाना चाहते हैं?" वह निश्चित रूप से इसे प्रकट करेगा। यदि आप जैसे युवा लोग इस उच्च आह्वान का उत्तर देने के लिए उठ खड़े होते हैं, तो राष्ट्र परमेश्वर से मिल जाएगा। यह केवल इसलिए संभव हुआ क्योंकि विलियम कैरी, डेविड लिविंगस्टोन, ज़ीगेनबाल्ग, रेनियस और कैलडवेल जैसे मिशनरियों ने परमेश्वर के आह्वान को समझा था कि वे अपने देश, लोग, जाति, प्रतिष्ठित पद, धन और स्थिति को पीछे छोड़कर भारत आए, और आज्ञाकारी रूप से यीशु के प्रेम को साझा किया।

अब, हमारी बारी है, जॉन। आइए उठें और भारत के लोगों के साथ सुसमाचार साझा करें।

प्रार्थना करें, और साहस के साथ आगे बढ़ें! परमेश्वर का हाथ आपके साथ रहेगा।

दानिय्येल की प्रार्थना

प्रिय नवयुवकों, यीशु मसीह के नाम में अभिवादन! पिछले महीने के संस्करण में, हमने दानिय्येल की दृढ़ पवित्रता के विभिन्न पहलुओं पर विचार किया, जो दिन में तीन बार प्रार्थना करने के उसके अनुशासन द्वारा कायम रही, और कैसे उसके वफादार मित्रों ने उसे परीक्षणों के दौरान सहारा दिया। अब, आइए हम दानिय्येल की प्रार्थना की सामर्थ पर ध्यान देना जारी रखें।

अब जब दानिय्येल को पता चला कि आदेश प्रकाशित किया गया था, तो वह अपने घर गया, जहाँ उसकी ऊपरी कोठरी की खिड़कियाँ यरूशलेम की ओर खुलती थीं। वह दिन में तीन बार अपने घुटनों के बल बैठकर प्रार्थना करता था, अपने परमेश्वर को धन्यवाद देता था, जैसा कि वह पहले भी करता था। (दानिएल 6:10)

पवित्र-शास्त्र हमें बताता हैं, "दानिय्येल प्रतिदिन तीन बार प्रार्थना करता था।" वह परमेश्वर के सामने घुटने टेकता था और प्रार्थना करता था, धन्यवाद देता था। उसका जीवन प्रार्थना और स्तुति का एक सुंदर मिश्रण था। हर बार जब दानिय्येल प्रार्थना करता था, तो वह संभवतः धन्यवाद के साथ समाप्त करता था, यह कहते हुए, "हे प्रभु, मेरी प्रार्थनाओं का उत्तर देने के लिए धन्यवाद; मैं आपकी स्तुति करता हूँ उन बातों के लिए जो आप मेरी प्रार्थनाओं के अनुसार इस देश में करेंगे।" दानिय्येल ने अपनी प्रार्थनाओं को इस तरह से संरचित किया, जिसमें प्रशंसा और निवेदन दोनों शामिल थे।

हमें भी प्रशंसा और धन्यवाद के माध्यम से अपने विश्वास के अंगीकार की सामर्थ को सीखना चाहिए, साथ ही प्रार्थना में अपने

घुटनों को झुकाना भी सीखना चाहिए। क्योंकि दानिय्येल की प्रार्थनाएँ लगातार प्रशंसा और निवेदनों से भरी हुई थीं, वे सामर्थी और प्रभावशाली थीं। आइए हम अपने प्रार्थना जीवन में उनके उदाहरण का अनुसरण करें।

उस राष्ट्र के अधिकारी ईर्ष्या के साथ दानिय्येल के विरुद्ध उठ खड़े हुए, यह सोचकर कि, "यह विदेशी हमारे देश में सर्वोच्च पद पर पहुँच गया है; हमें उसे नीचे लाना चाहिए।" उन्होंने दानिय्येल के जीवन की बारीकी से जाँच की, दोष ढूँढ़े, लेकिन उन्हें कोई गलत काम नहीं मिला। क्यों? क्योंकि दानिय्येल राजा द्वारा उसे सौंपी गई ज़िम्मेदारियों के प्रति मेहनती और वफ़ादार था।

आज, कई मसीही अपने काम में वफ़ादारी दिखाने में विफल रहते हैं, उन्हें सौंपे गए कार्यों की उपेक्षा करते हैं। वे आत्मा से भरे होने का दावा कर सकते हैं, अन्य भाषाओं में बोल सकते हैं, और प्रार्थनाएँ कर सकते हैं, फिर भी उनकी प्रार्थनाएँ उत्तर रहित रह जाती हैं। विश्वासघाती की प्रार्थनाओं में शक्ति नहीं होती। चाहे हमारी प्रार्थनाएँ कितनी भी अच्छी क्यों न हों या उनमें भावनात्मक उत्साह क्यों न हो, शैतान उनसे नहीं डरता। जो चीज़ दुश्मन को हिला देती है, वह है एक धर्मी और ईमानदार आस्तिक की प्रार्थना, जो सच्चाई और ईमानदारी से जीता है।

दानिय्येल के साथ, कई यहूदियों को बेबीलोन में बन्दी बनाकर ले जाया गया। निस्संदेह, वे सभी प्रार्थना करते थे, क्योंकि प्रार्थना उनके जीवन का हिस्सा थी। फिर भी, उनकी सभी प्रार्थनाओं ने अंधकार के साम्राज्य को नहीं हिलाया। यह दानिय्येल, शद्रक, मेशक और अबेदनगो की वफ़ादार गवाही थी जिसने इतिहास की दिशा बदल दी।

शैतान ने दानिय्येल को रोकने के लिए कानून क्यों बनाया?

क्योंकि दानिय्येल की प्रार्थनाओं ने बेबीलोन में शैतान के काम को बाधित कर दिया था। उसकी प्रार्थनाओं ने शैतान को काँपने पर मजबूर कर दिया और वहाँ दुश्मन के प्रभुत्व को खत्म कर दिया।

शैतान बेबीलोन में स्वतंत्र रूप से काम कर रहा था, लेकिन क्योंकि दानिय्येल हर दिन राजा के लिए ईमानदारी से प्रार्थना करता था, इसलिए शैतान की पकड़ ढीली पड़ गई। दानिय्येल की प्रार्थनाओं ने राजा को दुश्मन के प्रभाव से बचाया, और इसीलिए शैतान ने 30 दिनों के लिए प्रार्थना पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून के ज़रिए दानिय्येल को चुप कराने की कोशिश की।

लेकिन यह जानते हुए भी कि शैतान उसके खिलाफ उठ खड़ा हुआ है, दानिय्येल डर के मारे पीछे नहीं हटा। उसने प्रार्थना करना बंद नहीं किया। इसके बजाय, वह हमेशा की तरह दिन में तीन बार प्रार्थना करता रहा। उसकी अटूट प्रार्थना ने शैतान के काम पर लगाम लगा दी। प्रार्थना योद्धा, जो केवल प्रभु से डरते हैं और उसके सामने झुकते हैं, वे कभी किसी और चीज़ या किसी से नहीं डरेंगे।

प्रिय नवयुवकों! आप, आध्यात्मिक जागृति के इन दिनों में जी रहे हैं, आप परमेश्वर द्वारा चुने गए दानिय्येल हैं। आपकी प्रार्थनाओं को शैतान के राज्य की नींव हिला देनी चाहिए, जिससे उसके गढ़ों में दरारें पड़ जाएँ। आपको ऐसी शक्ति के साथ प्रार्थना करने के लिए कहा जाता है कि यह अंधकार की शक्तियों को भ्रमित कर दे, स्वर्गीय क्षेत्रों में भटकती आत्माओं को अस्थिर कर दे, और उन्हें काँपने और भ्रम में डाल दे।

जिस तरह दानिय्येल की साहसी प्रार्थनाओं ने परमेश्वर के सामर्थी कदम को जगाया, उसी तरह आपकी उत्कट प्रार्थनाएँ भी हमारे राष्ट्र में पुनरुत्थान को प्रज्वलित करेंगी। अपनी प्रार्थनाओं की पहुँच से कुछ भी न छूटने दें। जोश और अटूट विश्वास के साथ प्रार्थना करने के लिए समर्पित रहें। आपके माध्यम से, प्रभु राष्ट्रों को हिला देगा!

देरी किस लिए?

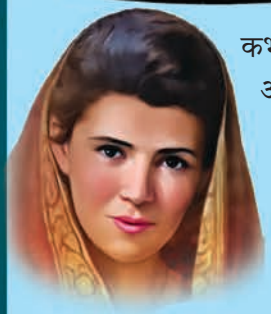

कभी-कभी जीवन में, देरी हमें खुशी देती है, जबकि दुसरे अवसरों में यह हमें कड़वाहट और टूटे हुए दिल का एहसास कराती है। उदाहरण के लिए, एमी कारमाइकल को ही लें, उसने सालों तक प्रार्थना की, उम्मीद थी कि उसकी खूबसूरत भूरी आँखें नीली हो जाएँगी, लेकिन जवाब में देरी हुई। कई सालों बाद, जब वह एक मिशनरी के रूप में भारत आई, तो उसने देखा कि सभी युवा लड़कियों, महिलाओं और सभी की आँखें भूरी थीं, बिल्कुल उसकी तरह। यह देखकर, वह खुशी से भर गई, उसे एहसास हुआ कि परमेश्वर के उद्देश्य के अनुसार काम हो रहा था। भारत आने के बाद ही उसे समझ में आया कि परमेश्वर ने उसकी बचपन में की गयी प्रार्थना का उत्तर क्यों नहीं दिया।

हमें ध्यान रखना चाहिए कि जब वह हमारी कुछ प्रार्थनाओं का उत्तर देने में देरी करता है, तो इसके पीछे उसकी अनंत योजना और आशीषें काम कर रहे होते हैं। " हम उन लोगों को वास्तव में धन्य मानते हैं जो धीरज धरते हैं। तुमने अय्यूब की धीरज के बारे में सुना है और प्रभु के व्यवहार का परिणाम देखा है" (याकूब 5:11)। जब प्रभु हमारी प्रार्थनाओं और संघर्षों का उत्तर देने में अपना समय लेते हैं, तो हमारे लिए धैर्य रखना आवश्यक है।

जीवन में, जब भी परमेश्वर के वायदे पूरे होने में देरी होते दिखते है, तो लोगों का निराश या हताश होना आम बात है, कभी-कभी तो वे पीछे मुड़ जाने के लिए भी बहकाए जाते हैं। लेकिन कई लोग यह समझने में विफल रहते हैं कि परमेश्वर की योजनाएँ और दर्शन कभी भी विलंबित नहीं होते हैं - वे समय पर पूरी तरह से सामने आते हैं। परमेश्वर उन लोगों को कभी नहीं छोड़ता जो उसके उद्देश्य के साथ संरेखित होते हैं। जब हम कुछ हासिल करना चाहते हैं या किसी विशेष परिणाम की इच्छा रखते हैं तो देरी अपरिहार्य है। इन विलंबों के बारे में चिंता करने के बजाय, यदि हम परमेश्वर पर भरोसा करते हैं और विश्वास में चलते हैं, तो हम जीत की ओर आगे बढ़ सकते हैं।

यूसुफ के जीवन को देखें। परमेश्वर की योजना को पूरा होने में कई साल लग गए, और उस प्रतीक्षा अवधि के दौरान, यूसुफ ने अनगिनत हानि, संघर्ष, अपमान, निराशा और अन्याय का सामना किया - इतने सारे, कि शब्दों में उन सभी को व्यक्त नहीं किया जा सकता। उसके जीवन की वास्तविकता उसके सपनों से पूरी तरह से अलग लग रही थी। उन देरी हुए वर्षों में, परमेश्वर उसके साथ था, पोतीफर के घर और जेल में उसके सामने आने वाली परीक्षाओं के माध्यम से यूसुफ को आकार देने और परिष्कृत करने के लिए। लेकिन जब परमेश्वर का समय आखिरकार आया, तो उसने यूसुफ को मिस्र के महल में बिठाया, जिससे उसकी हमेशा से चली आ रही परमेश्वरीय योजना पूरी हुई।

अगर आपको अपनी मनचाही नौकरी, पढ़ाई या शादी जैसी चीज़ों को पाने में देरी हो रही है, तो निराश न हों या उम्मीद न खोएँ। देरी के बारे में चिंता करने के बजाय, परमेश्वर ने आपको जो वादे दिए हैं, उन पर दृढ़ता से टिके रहें। भरोसा रखें कि वह आपको उसकी आशीषें पाने के योग्य बना रहा है। यूसुफ की तरह, परमेश्वर के समय का धैर्यपूर्वक इंतज़ार करें—वह एक दिन जो वादा करता है, उसे ज़रूर पूरा करेगा।

कभी-कभी, हम अपने सेवकाई की बुलाहट को पूरा करने में देरी कर सकते हैं, जिससे संदेह और हिचकिचाहट भीतर आ सकती है। ऐसे क्षणों के दौरान, हम विश्वास की कमी का अनुभव कर सकते हैं और संदेह करते हैं, जिससे हम अपनी बुलाहट से पीछे हट सकते हैं। लेकिन जो लोग परमेश्वर पर भरोसा करते हैं, उनके लिए न केवल देरी, बल्कि सब बातें मिलकर भलाई को उत्पन्न करते हैं। इसलिए, ठोकर खाने की कोई आवश्यकता नहीं है।

नहेमायाह को देखें—उसे राजा के साथ उस बोझ को साझा करने में कुछ महीने लग गए जो परमेश्वर ने उसके दिल पर रखा था। लेकिन वह देरी कोई गलती नहीं थी। सही समय पर, परमेश्वर ने नहेमायाह के चेहरे पर दुख और उसके दिल की उदासी को राजा के सामने उसके दिल के बोझ को प्रकट करने दिया। परिणामस्वरूप, नहेमायाह ने राजा का अनुग्रह पाया। कल्पना कीजिए कि यदि नहेमायाह परमेश्वर के सही समय से पहले राजा के पास पहुँच जाता—तो सब कुछ बदल सकता था!

देरी एक ऐसी चीज है जिसे हम सिर्फ नहेमायाह के जीवन में ही नहीं बल्कि परमेश्वर द्वारा बुलाए गए अनेक लोगों के जीवन में भी देखते हैं। ऐसे क्षणों में, परमेश्वर हमेशा उन लोगों के लिए सामर्थ का स्रोत होता है जो उस पर भरोसा करते हैं। यदि वह देरी भी करता है, तौभी वह कभी त्यागता नहीं। इसलिए, भले ही परमेश्वर ने हमारे दिलों में जो दर्शन रखा है, उसे पूरा होने में समय लगे, आइए हम विश्वास या आशा न खोएँ। इसके बजाय, आइए हम अटूट दृढ़ संकल्प के साथ परमेश्वर से चिपके रहें, प्रार्थना और विश्वास में तब तक टिके रहें जब तक कि उसके वादे पूरे न हो जाएँ।

"क्योंकि इस दर्शन की बात नियत समय में पूरी होने वाली है, वरन इसके पूरे होने का समय वेग से आता है; इस में धोखा न होगा। चाहे इस में विलम्ब भी हो, तौभी उसकी बाट जोहते रहना; क्योंकि वह निश्चय पूरी होगी" (हबक्कूक 2:3)। प्रभु की इच्छा पूरी होने में कभी भी देरी नहीं होती; यह हमेशा सही समय पर होता है। यूसुफ, दाऊद, नहेमायाह और अब्राहम - सभी ने जीवन में कठिन परिस्थितियों का सामना किया, लेकिन उन्होंने कभी भी अपनी परिस्थितियों को परमेश्वर से नाराज़ होने या उससे दूर जाने नहीं दिया। उन्होंने सवाल नहीं किया, 'हे परमेश्वर, देरी किस लिए?' इसके बजाय, उन्होंने उस पर पूरा भरोसा किया, और उसके कारण, परमेश्वर उनके साथ चला और उन्हें भरपूर आशीष दिया। "वादा प्राप्त करने के लिए आपको दृढ़ता की आवश्यकता है" (इब्रानियों 10:36)।

मेरे प्रिय युवा साथियों, मेरी आपको सबसे अच्छी सलाह यह है: अपने जीवन में देरी को खुद को निराश न करने दें। इसके बजाय, यीशु पर भरोसा रखें और धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करें। "परमेश्वर के बलवन्त हाथ के नीचे दीनता से रहो, जिस से वह तुम्हें उचित समय पर बढ़ाए" (1 पतरस 5:6)।

परमेश्वर निश्चित रूप से आपको आशीष देंगे और आपको ऊँचा उठाएँगे ! मज़बूत बने रहें और विश्वास बनाए रखें!

नरक का टिकट!

भाग 10

हेलो मित्रों! शैतान हमें नरक में ले जाने के लिए जिन औजारों का इस्तेमाल करता है, वे हमारे पापों के अलावा और कुछ नहीं हैं। पिछले महीने, हमने डर के बारे में गहराई से जाना। इस महीने, हम इस बात पर चर्चा करेंगे कि अगर हम उन कामों को करने से चूक जायें जो स्वर्ग पहुँचने के लिए जरुरी हैं, तो क्या होगा।

God's परमेश्वर की इच्छा Will

मसीही जीवन जीने का मतलब सिर्फ़ धार्मिक अनुष्ठानों से नहीं है। इसका मतलब सिर्फ़ रविवार को चर्च जाना, भेंट चढ़ाना, प्रार्थना करना और बाइबल पढ़ना नहीं है। सच्चा मसीही जीवन परमेश्वर की इच्छा के साथ खुद को एक करना है।

हम सभी की आकांक्षाएँ, सपने और लक्ष्य होते हैं। आप सोच सकते हैं, "मुझे यह नौकरी चाहिए," या "मुझे ऐसा साथी चाहिए," या "मुझे इतना पैसा कमाना है और इस खास देश में रहना है।" यह सूची लंबी है। लेकिन अपने आस-पास देखें। हर मानव निर्मित चीज़ का एक खास उद्देश्य होता है—जैसे हवा को ठंडा करने वाला पंखा या कमरे को रोशन करने वाली लाइट। भले ही मानव निर्मित वस्तुओं का कोई उद्देश्य हो, लेकिन कल्पना करें कि परमेश्वर की अनुरूप बनाए जाने के कारण हमारा कितना बड़ा उद्देश्य है! परमेश्वर के पास हममें से हर एक के लिए एक अनोखी योजना है। वह हमसे इसे पूरा करने की अपेक्षा करता है। यीशु विशेष रूप से पिता की इच्छा पूरी करने के लिए पृथ्वी पर आया था (यूहन्ना 6:38)। उसने परमेश्वर की इच्छा पूरी करना अपना भोजन माना (यूहन्ना 4:34)। क्रूस पर चढ़ने से पहले, गतसमनी के बगीचे में, यीशु ने प्रार्थना की, "हे मेरे पिता, यदि हो सके, तो यह प्याला मुझसे दूर हो जाए। फिर भी जैसा मैं चाहता हूँ वैसा नहीं, परन्तु जैसा तू चाहता है वैसा ही हो" (मत्ती 26:39)। यीशु ने खुद को पिता की इच्छा के लिए समर्पित कर दिया (गलातियों 1:4)।

परमेश्वर की इच्छा को जानना और करना

बाइबल इन बातों पर जोर देती है:

- हमें परमेश्वर की इच्छा पूरी करनी चाहिए (इफिसियों 6:6)।
- हमें यह समझने की आवश्यकता है कि परमेश्वर की इच्छा क्या है (इफिसियों 5:17)।
- हमें उसकी इच्छा का ज्ञान होना चाहिए (कुलुस्सियों 1:9)

जब परमेश्वर पौलुस से मिला, तो पौलुस की पहली प्रार्थना थी, "हे प्रभु, तू क्या चाहता है कि मैं करूँ?" परमेश्वर ने दाऊद के बारे में यह कहते हुए गवाही भी दी, "मुझे दाऊद नामक एक मनुष्य मिल गया है, जो मेरे मन के अनुसार है, और मेरी सारी इच्छा पूरी करेगा" (प्रेरितों 13:22)।

परमेश्वर की इच्छा के प्रकार

सामान्य इच्छा

• हर बात में धन्यवाद दें (1 थिस्सलुनीकियों 5:18)।

• पवित्र बनें (1 थिस्सलुनीकियों 4:3)।

• परमेश्वर चाहता है कि सभी मनुष्य उद्धार पाएँ और सत्य को जानें (1 तीमुथियुस 2:4)।

• मूर्ख लोगों की अज्ञानता को शांत करने के लिए भलाई करना (1 पतरस 2:15)।

अनुमेय इच्छा

कभी-कभी, जब परमेश्वर किसी चीज़ के लिए "नहीं" कहता है, लेकिन हम लगातार प्रार्थना करते रहते हैं, "नहीं, मैं वास्तव में यही चाहता हूँ!" - तो वह इसकी अनुमति दे सकता है, भले ही यह उसकी इच्छा न हो। उदाहरण के लिए, बाइबल कहती है, "एक विश्वासी और एक अविश्वासी में क्या समानता है?" फिर भी, कुछ लोग प्यार में पड़ जाते हैं और जोर देते हैं, "मैं इस लड़के या इस लड़की से शादी करूँगा, चाहे कुछ भी हो।" अपनी करुणा के कारण, परमेश्वर आपकी प्रबल विनती के कारण इसकी अनुमति दे सकता है, लेकिन इसे उसकी अनुमेय इच्छा कहा जाता है। हालाँकि, उन विकल्पों के परिणाम? वे हम पर हैं, परमेश्वर पर नहीं।

सिद्ध इच्छा

जब अब्राहम ने अपने सेवक एलीएजेर को इसहाक के लिए पत्नी खोजने के लिए भेजा, तो परमेश्वर ने पहले से ही रिबका को तैयार कर लिया था, एलीएजेर ने जिस भी चिन्ह के लिए प्रार्थना की थी, उसे पूरा किया। यह परमेश्वर की पूर्ण योजना थी।

परमेश्वर की इच्छा को पूरा करने के इनाम

• परमेश्वर उनकी सुनता है जो उसकी इच्छा पर चलते हैं (यूहन्ना 9:31)।

• जो मनुष्य परमेश्वर की इच्छा पर चलता है, वह सर्वदा जीवित रहता है। (1 यूहन्ना 2:17)।

परमेश्वर की इच्छा को कैसे खोजें

परमेश्वर की इच्छा को सही मायने में समझने के लिए हमें अपने मन को नवीनीकृत और रूपांतरित करने की आवश्यकता है। हमारी सोच को यीशु की मानसिकता के साथ संरेखित करना होगा (रोमियों 12:2)। हम प्रभु के साथ अपने रिश्ते में जितने गहरे होते जाएँगे, उतना ही पवित्र आत्मा हमारा मार्गदर्शन करेगा, हमें हमारे लिए परमेश्वर की पूर्ण योजना को प्रकट करने के लिए सावधानीपूर्वक जीवन में आगे बढ़ाएगा।

परमेश्वर की इच्छा की अनदेखी करने के परिणाम

• जब शाऊल ने अमालेकियों को नष्ट करने के लिए परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन किया, तो उसने अपना राजस्व खो दिया।

• बिलाम, जो परमेश्वर की इच्छा के विरुद्ध गया, तलवार से मारा गया।

• योना, परमेश्वर की पुकार से बचने का प्रयास करते हुए, एक मछली द्वारा निगल लिया गया।

मेरे प्रिय मित्रों! जब हम अपने जीवन के लिए परमेश्वर की योजना के प्रति पूरी तरह से समर्पित हो जाते हैं, तभी उसका उद्देश्य पूरा होता है। बाइबल हमें स्पष्ट रूप से चेतावनी देती है कि "जो सेवक स्वामी की इच्छा जानता है और स्वामी की इच्छा के अनुसार नहीं करता है, उसे बहुत मार पड़ेगी" (लूका 12:47)। हम यीशु के नाम पर भविष्यवाणी कर सकते हैं, दुष्टात्माओं को निकाल सकते हैं, या कई चमत्कार कर सकते हैं, लेकिन केवल वे ही स्वर्ग में प्रवेश कर सकते हैं जो परमेश्वर की इच्छा पूरी करते हैं (मत्ती 7:21–23)। अन्यथा, यह नरक का एकतरफा टिकट है।

शैतान लगातार पृष्ठभूमि में काम करता है, हमें परमेश्वर की इच्छा पूरी करने से रोकने का प्रयास करता है। वह चालाक है, धीरे-धीरे हमें नरक की ओर खींच रहा है, हमें इसका एहसास भी नहीं है। इसलिए हमें सतर्क रहना है, हमें अपने लिए परमेश्वर के उद्देश्य को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करना है, और स्वर्ग में अपने अनन्त आशीषों का दावा करना है।

साथ बने रहिए, मित्रों! अगले महीने, हम एक और पाप पर चर्चा करेंगे जो लोगों को नरक की ओर ले जा रहा है।

ट्रेन यात्रा

भाग 7

सोमवार की एक शाम को, एंड्रयू तांबरम से समुद्र तट तक जाने वाली ट्रेन में उत्सुकता से, थोड़ा चिंतित होकर, विक्की से मिलने की उम्मीद कर रहा था। विक्की ट्रेन में चढ़ गया, उस डिब्बे की तलाश में जहाँ एंड्रयू बैठा था।

विक्की: (एक उज्ज्वल, शांत मुस्कान के साथ) "एंड्रयू, जैसा कि आपने कहा, मेरी नौकरी सुरक्षित है, यार! आखिरी समय में, मेरे पिछले काम की समीक्षा करने के बाद, उन्होंने मुझे जारी रखने के लिए कहा।"

एंड्रयू: (खुशी से) "धन्यवाद, यीशु!"

विक्की: "मेरे लिए प्रार्थना करने के लिए धन्यवाद, एंड्रयू।"

एंड्रयू: "मुझे धन्यवाद मत दो, यार... तुम्हें यीशु को धन्यवाद देना चाहिए।"

विक्की: (मौन सहमति में सिर हिलाते हुए) "हाँ, तुम सही हो।"

एंड्रयू: "जब हमारे जीवन में कुछ होता है तभी हम उसका वास्तविक महत्व समझ पाते हैं, विकी।"

विक्की: "सच है, एंड्रयू... मैं समाचारों में बहुत से लोगों की नौकरी जाने के बारे में सुनता था, लेकिन मुझे वास्तव में यह समझ में नहीं आया। मेरी कंपनी में भी, बहुत से लोगों ने अपनी नौकरी खो दी, लेकिन मुझे तब दर्द महसूस नहीं हुआ। हालाँकि, पिछले दो दिनों में, मैंने वास्तव में इसे महसूस किया है।"

एंड्रयू: "क्या आप एक और चौंकाने वाली खबर सुनना चाहते हैं?"

विक्की: "क्या, यार? आजकल आप झटकों से भरे हुए हैं।"

एंड्रयू: "अफ्रीका के नामीबिया में, भोजन की कमी है, और सरकार लोगों को खिलाने के लिए 700 जंगली जानवरों को मारने की योजना बना रही है। वे पहले ही 150 जानवरों को मार चुके हैं।"

विक्की: "यह कब हुआ?"

एंड्रयू: "पिछले कुछ दिनों से यह पूरी दुनिया की खबरों में है।"

विक्की: (चिंता के साथ) "स्थितियाँ इतनी भयानक कैसे हो गईं कि उन्हें भोजन के लिए जंगली जानवरों को मारना शुरू करना पड़ा? सरकार इस समय क्या कर रही थी?"

एंड्रयू: "हम सरकार को भी पूरी तरह से दोष नहीं दे सकते।"

विक्की: "तो, असली कारण क्या है?"

एंड्रयू: "पिछले कुछ सालों से नामीबिया में सूखे की वजह से खेती को भारी नुकसान हुआ है। जलवायु परिवर्तन, अल नीनो और अन्य कारकों ने इसमें भूमिका निभाई है।"

विक्की: "कितने लोग प्रभावित हुए हैं?"

एंड्रयू: "वे कहते हैं कि देश की आधी आबादी - लगभग 14 लाख लोग - पीड़ित हैं। यह पिछले 100 वर्षों में सबसे खराब सूखा है।"

विक्की: "तुलना करने पर, हमारी स्थिति काफी बेहतर लगती है। लेकिन इसका समाधान क्या है?"

एंड्रयू: "अमेरिका, जापान और भारत जैसे देशों ने मदद के लिए कदम उठाया है। लेकिन इससे कितना फर्क पड़ेगा... केवल परमेश्वर ही जानता है।"

विक्की: "जब तक यह अच्छा है, तब तक ही सब कुछ मायने रखता है।"

एंड्रयू: "बाइबल कहती है कि इस तरह के अकाल अंतिम दिनों में होंगे। इससे बाहर निकलने का एकमात्र तरीका यीशु मसीह है। वैसे भी, थोड़ी देर के लिए यह सब भूल जाओ... यीशु ने तुम्हारे लिए कुछ बढ़िया किया है! सुनिश्चित करें कि तुम अगले सप्ताह भी चर्च आओ।"

विक्की: "मैं आना चाहता हूँ, लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा कि वहाँ क्या हो रहा है। लेकिन ठीक है, चूँकि तुम पूछ रहे हो, मैं आऊँगा। मैं बाहर ही रहूँगा।"

एंड्रयू: "यह तुम्हारी मर्जी है... लेकिन सुनिश्चित करो कि तुम आ जाओ।"

(एंड्रयू ने मन ही मन सोचा कि विक्की के लिए यह कितना बड़ा बदलाव था।)

उनकी बातचीत जारी है...

भावनाएँ

घृणा

पिछले आठ महीनों से, हम "भावनाएँ" श्रृंखला में हर महीने डर, अकेलापन, क्रोध और तनाव जैसी नकारात्मक भावनाओं का पता लगा रहे हैं, और सीख रहे हैं कि उन्हें कैसे संभालना है।

इस महीने, हम "घृणा" के विषय पर चर्चा करके श्रृंखला का समापन करेंगे।घृणा तीव्र नापसंदगी की एक गहरी भावनात्मक प्रतिक्रिया है, जो अक्सर लोगों, वस्तुओं या विचारों के प्रति निर्देशित होती है। आमतौर पर, जो लोग घृणा करते हैं, वे क्रोध, आंतरिक शांति की कमी और अधीरता प्रदर्शित करते हैं। यह दैनिक जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा बन गया है।

आपने घृणा के विभिन्न रूपों का अनुभव किया होगा, जैसे:

- ट्रैफ़िक सिग्नल पर प्रतीक्षा करने से घृणा करना।
- रविवार की छुट्टी के बाद सोमवार की सुबह काम पर वापस लौटने से घृणा करना।
- अपनी माँ द्वारा बनाई गई करेले की सब्जी से घृणा करना।
- जब आपको गणित बहुत कठिन लगे तो उससे घृणा करना।

हम रोज़ाना ऐसे कई उदाहरणों का सामना करते हैं। हालाँकि, अगर किसी व्यक्ति के प्रति ऐसी भावनाएँ विकसित होती हैं और उन्हें ठीक से प्रबंधित नहीं किया जाता है, तो वे ईर्ष्या में बदल सकती हैं, जो अंततः व्यक्ति के जीवन को नष्ट कर देती हैं। आइए इस प्रकरण में इस मुद्दे को प्रभावी ढंग से संबोधित करने का तरीका जानें!

बाइबिल में घृणा के परिणाम

आप इस्राएल के पहले राजा शाऊल के बारे में जानते होंगे। उसने दाऊद को अपनी सेना का सेनापति नियुक्त किया। लेकिन जब दाऊद ने गोलियत को हराया, तो महिलाओं ने उसका जश्न मनाया और शाऊल ईर्ष्यालु और क्रोधित हो गया, यहाँ तक कि उसने दाऊद को मारने का प्रयास भी किया। यह एक उदाहरण है कि कैसे घृणा किसी व्यक्ति को हत्यारा बना सकती है, भले ही वह परमेश्वर द्वारा अभिषिक्त हो। इसलिए, इस भावना को प्रबंधित करना महत्वपूर्ण है।

घृणा पर कैसे काबू पाएं?

1. क्षमा करने वाला हृदय रखें: चाहे वह व्यक्ति कोई भी हो, उसे वास्तव में क्षमा करने का प्रयास करें।

2. समझने का प्रयास करें: जिस व्यक्ति से आप घृणा करते हैं उसे ईमानदारी से समझने का प्रयास करें।

घृणा से निपटने के लिए बाइबल की आयतें

- "अपने दिल में किसी इस्राएली से घृणा मत करो। अपने पड़ोसी को खुलकर डांटो, ताकि तुम उनके अपराध में भागीदार न बनो। अपने लोगों में से किसी से बदला मत लो या उसके खिलाफ़ द्वेष मत रखो, बल्कि अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रखो" (लैव्यव्यवस्था 19:17-18)।

- "परन्तु तुम जो सुन रहे हो, मैं कहता हूँ: अपने शत्रुओं से प्रेम करो, जो तुमसे घृणा करते हैं, उनका भला करो, जो तुम्हें शाप देते हैं, उन्हें आशीर्वाद दो, जो तुम्हारे साथ बुरा व्यवहार करते हैं, उनके लिए प्रार्थना करो" (लूका 6:27, 28)।

प्रिय युवा लोगों, अगर हम इन नकारात्मक भावनाओं को समय रहते नहीं संभालते, तो वे हमारे जीवन को बहुत प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए, प्रतिदिन ऐसी गतिविधियों में शामिल होने का संकल्प लें जो परमेश्वर और आपके प्रार्थना साथियों के साथ आपके रिश्ते को मजबूत बनाती हैं। ऐसा करने से, परमेश्वर आपको सशक्त करेगा की आपकी घृणा एक फलदायी जीवन में बदल जाए!

बहादुर तीमुथियुस

भाग 10

हेलो मित्रों! आप कैसे हैं? प्रभु यीशु मसीह के नाम पर आपको मेरा प्यार भरा अभिवादन/ इस महीने के लेख में आपसे मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई/ अब तक हमने तीमुथियुस की पृष्ठभूमि, उसकी सेवकाई, उसके सामने आने वाली चुनौतियों और यीशु और उसके पत्रों के प्रति उसके उत्साह को देखा/

एक साधारण व्यक्ति को एक ऐसे सेवक में जिसने दुनिया को हिला दिया बदलने का कारण कोई व्यक्ति ही रहा होगा। ऐसा ही एक प्रेरक व्यक्ति था पौलुस। उसके बाद झुंड का मार्गदर्शन करना एक अच्छे चरवाहे की निशानी है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि जैसे मूसा ने अपने बाद यहोशू को बनाया, वैसे ही पॉलुस ने तीमुथियुस को बनाया।

इस लेख में हम पौलुस और तीमुथियुस के बीच मौजूद आध्यात्मिक खुबसूरत प्रेम पर ध्यान देंगे। आइए लेख में आते हैं।

एक पिता और पुत्र के बीच का रिश्ता

फिलिप्पुस 2:22,"....परन्तु तुम तीमुथियुस का प्रमाण जानते हो, कि जैसा पुत्र पिता के साथ करता है, वैसा ही उसने सुसमाचार के काम में मेरे साथ सेवा की।

पौलुस की मृत्यु तक तीमुथियुस उसके बेटे की तरह था। उनके बीच का प्रेम पिता और पुत्र के बीच के प्रेम की तरह था। फिलिप्पी 2:22 में पौलुस कहता है 'क्योंकि मेरे पास उसके समान कोई नहीं है, जो तुम्हारे कल्याण के लिए सच्चे मन से चिंतित हो। इससे तुम सीख लो की पिता के गुण पुत्र में है। आध्यात्मिक पिता पौलुस की तरह तीमुथियुस भी परमेश्वर का भय माननेवाला था, जो काम उसे सौंपा गया था, उसमें सच्चा था और लोगों की चिंता करता था। जैसा कि हम पहले से ही जानते हैं कि पौलुस और तीमुथियुस के बीच एक बड़ी पीढ़ी का अंतर था। हमेशा युवा दूसरे युवाओं के साथ मित्रता करना पसंद करते हैं। लेकिन यहाँ, बुज़ुर्ग पौलुस और युवा तीमुथियुस के बीच गहरा प्रेम था। हमेशा, जब कोई बुज़ुर्ग व्यक्ति कोई सलाह या सुझाव देता है, तो युवा उसे पसंद नहीं करते। सलाह को स्वीकार करने के बजाय युवा बहस करना शुरू कर देते हैं। वे ऐसी बातचीत का विरोध करते हैं। वे बुज़ुर्गों का अपमान करते हैं और कहते हैं 'तुम क्या जानते हो' और उन्हें छोड़ देते हैं।

लेकिन बाइबल में हम पौलुस को तीमुथियुस को सलाह, चेतावनी, निर्देश और सुझाव देते हुए देखते हैं। तीमुथियुस ने बिना कुछ बोले ही पौलुस की हर बात का पालन करने में सावधानी बरती। हमारा हीरो एक ऐसे व्यक्ति की तरह था जो हर बात में अपने पिता की आज्ञा का उल्लंघन नहीं करता था।

एक गुरु और शिष्य के बीच का रिश्ता

पौलुस कहता है कि तीमुथियुस मेरी तरह सोचता था। इससे पता चलता है कि तीमुथियुस एक ऐसा व्यक्ति था जो पौलुस की तरह सोचता था। बुज़ुर्ग व्यक्ति को अपने जीवन में कई अनुभव होते हैं। इससे हमें पता चलता है कि तीमुथियुस अपनी सोच में अपने गुरु की तरह था।

यहाँ तीमुथियुस सिर्फ़ यह नहीं बता रहा था कि उसने पौलुस से क्या सीखा, केवल पौलुस ने यीशु के पदचिन्हों का अनुसरण नहीं किया, बल्कि तीमुथियुस ने भी पौलुस का अनुसरण किया।

एक प्रबंधक और नौकर के बीच का रिश्ता

तीमुथियुस पौलुस के लिए एक अच्छे सहायक की तरह था। जब पौलुस भूख, भुखमरी, गरीबी और बीमारी में था क्योंकि परमेश्वर के अन्य सेवक उसे छोड़कर चले गए थे, तीमुथियुस अंत तक पौलुस के साथ था।

कल्याण चाहने वाला मित्र

पौलुस ने तीमुथियुस को सलाह दी कि "अब से केवल पानी ही मत पीना, बल्कि अपने पेट और अपनी बार-बार की बीमारियों के कारण थोड़ा-सा दाखरस भी इस्तेमाल करना।" 1 तीमुथियुस 5:23।

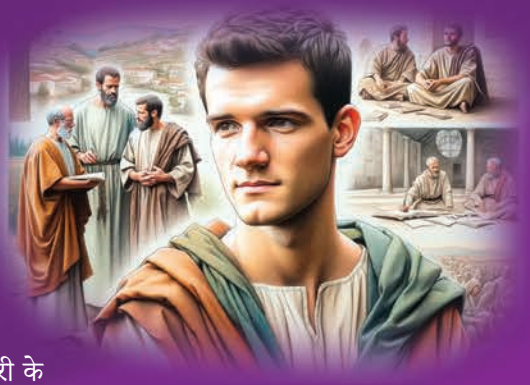

इससे हमें पता चलता है कि तीमुथियुस अक्सर बीमार रहता था। अपनी कमज़ोरी के बारे में बहाने नहीं बनाता था, बल्कि बहाने बनाए बिना प्रभु के लिए काम करता था। हम सभी के पास एक शुभचिंतक होता है। पौलुस तीमुथियुस का शुभचिंतक था। पौलुस तीमुथियुस के कल्याण में भी रुचि रखता था।

देखिए मित्रों, क्या आपने पौलुस और तीमुथियुस के बीच के खूबसूरत रिश्ते को देखा? हमारे और हमारे बुजुर्गों के बीच के रिश्ते के बारे में क्या? क्या हम उनके संपर्क में हैं? क्या हम उनका सम्मान करते हैं और उनकी बातों का पालन करते हैं? हमारे आध्यात्मिक पिता और भाई असली खजाने हैं।

हमें पौलुस जैसे माली के समान काम की ज़रूरत है जो बीज बोए जो पेड़ की तरह बढ़ेगा और फल लाएगा। मार्गदर्शन के रूप में उनका निर्देश हमें सीधे मसीह की ओर निर्देशित करेगा। उनके बिना हम अकेले नहीं बढ़ सकते और अकेले नहीं रह सकते। इसलिए हमें सोच समझकर कार्य करना चाहिए।

(बहादुरी का युग जारी है...)

राष्ट्र के लिए प्रार्थना करें...

'यीशु छुड़ाता है'

विश्व जागृति प्रार्थना भवन

Our Branches

Mumbai (Dharavi)
World Revival Prayer Canter, T/1, Block No.11,
90 Feet Road, Rajiv Gandhi Nagar Dharavi, Mumbai - 400 017
Email: br.dharavi@jesusredeems.org, Ph: +91 8082410410

Mumbai (Malad)
World Revival Prayer Center, Bethel, Plot 305/E,
Mith Chowky Marve Road, Malad(w) Mumbai - 400064
Ph: +91 9664050567

Ranchi
World Revival Prayer Centre, Kadru Sarna Toli,
Near Argora Railway Station, Road no -1, Doranda P.O
Ranchi - 834 002, Jharkand,
Email: br.ranchi@jesusredeems.org, Ph: 9523336010

Chandigarh
World Revival Prayer Centre, SCO 1st Floor, Dhakoli-Kalka Road,
NH-22, Near City Court Zirakpur, Punjab- 160104
Email: br.chandigarh@jesusredeems.org, Ph: 9417726492

Delhi
World Revival Prayer Centre, Plot no 152, Ground floor,
Pratap nagar,opposite harinagar bus depot, New Delhi - 110064
Email: br.delhi@jesusredeems.org, Ph: 011-25616253 / 35580428

Come and Pray

प्रार्थना मार्गदर्शिका

नवंबर - 2024

1. इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच संघर्ष के शांतिपूर्ण अंत के लिए प्रार्थना करें।

2. हमास आतंकवादियों द्वारा 1,200 से अधिक इजरायली मारे गए हैं। प्रार्थना करें कि ऐसी मौतें बंद हों और युद्ध बंद हो।

3. लेबनान में, हिजबुल्लाह द्वारा इस्तेमाल किए गए पेजर के फटने से 12 लोगों की जान चली गई। आइए हम उन 4,000 लोगों के ठीक होने के लिए प्रार्थना करें जो घायल हुए थे।

4. यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष के अंत और दोनों देशों के बीच शांति की बहाली के लिए प्रार्थना करें।

5. हवाई अड्डों पर बेहतर सुविधाओं और यात्रियों के लाभ के लिए नवीनीकरण के लिए प्रार्थना करें।

6. विमान की खराबी और दुर्घटनाओं की रोकथाम और सभी विमानों के सुरक्षित रखरखाव के लिए प्रार्थना करें।

7. पायलटों के लिए सुरक्षित रूप से उड़ान भरने के लिए ज्ञान और स्पष्ट दृष्टि के लिए प्रार्थना करें।

8. सरकारों से ऑनलाइन गेमिंग के हानिकारक प्रभावों को दूर करने के लिए कानून लागू करने के लिए प्रार्थना करें।

9. ऑनलाइन गेमिंग की लत के कारण मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे युवाओं के उपचार और उद्धार के लिए प्रार्थना करें।

10. उन युवाओं के उद्धार और शक्ति प्राप्ति के लिए प्रार्थना करें जो अपनी पढ़ाई से जूझ रहे हैं और लत के कारण अपना ध्यान खो रहे हैं।

11. पूरे भारत में सभी महिलाओं की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें।

12. महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न को समाप्त करने और उन्हें पर्याप्त सुरक्षा प्राप्त करने के लिए प्रार्थना करें।

13. महिलाओं और युवा लड़कियों की तस्करी में शामिल माफिया गिरोहों के पर्दाफाश और अभियोजन के लिए प्रार्थना करें।

14. भारत में उद्योगों के विकास और देश की आर्थिक वृद्धि के लिए प्रार्थना करें।

15. कलीसियाओं के भीतर विभाजन की आत्माओं के खिलाफ प्रार्थना करें।

16. युवाओं के लिए प्रभु के लिए एक शक्तिशाली सेना के रूप में उठने और कलीसियाओं के पुनरुद्धार के लिए तैयार होने के लिए प्रार्थना करें।

17. चर्च के विश्वासियों और पादरियों के बीच एकता और एकरूपता के लिए प्रार्थना करें।

18. कलीसियाओं में पवित्रता के लिए और प्रभु से एक पवित्र पीढ़ी को बढ़ाने के लिए प्रार्थना करें।

19. देश भर के विभिन्न राज्यों में भारी बारिश से प्रभावित लोगों की सुरक्षा और अप्रत्याशित खतरों से सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें।

20. भारतीय सेना में सेवारत 12 लाख सैनिकों की सुरक्षा और बुद्धि के लिए प्रार्थना करें।

21. राष्ट्रों के बीच संघर्ष के कारण सैनिकों की मृत्यु की रोकथाम के लिए प्रार्थना करें।

22. मानसिक चुनौतियों से जूझ रहे सैनिकों के लिए प्रार्थना करें ताकि वे परमेश्वर की शांति और मार्गदर्शन का अनुभव कर सकें।

23. आतंकवादी हमलों के कारण सीमाओं पर तनावपूर्ण स्थितियों में बदलाव के लिए प्रार्थना करें।

24. देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों के परिवारों के लिए सुरक्षा और आराम के लिए प्रार्थना करें।

25. सूखे से प्रभावित खेतों को पोषण और सुरक्षा देने के लिए बारिश के लिए प्रार्थना करें।

26. फसलों के लिए पर्याप्त पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जलाशयों में जल स्तर बढ़ने के लिए प्रार्थना करें।

27. प्रार्थना करें कि अत्यधिक बारिश के कारण फसल के नुकसान के कारण खाद्य पदार्थों की कीमतें न बढ़ें, ताकि गरीब समुदाय प्रभावित न हों।

28. आंध्र प्रदेश में बाढ़ से प्रभावित 415,000 लोगों की ज़रूरतों की पूर्ति के लिए प्रार्थना करें।

29. बाढ़ के कारण अपने घर और प्रियजनों को खोने वाले लोगों के लिए प्रार्थना करें कि उनकी ज़रूरतें पूरी हों।

30. भारी बारिश से होने वाली मौतों की रोकथाम और जीवनदायी बारिश के आशीष के लिए प्रार्थना करें।

NISUIN BERIYTH

(विवाह अनुबंध)

भाग - 10

हेलो नवजवानों! इस वर्ष, प्रत्येक माह, हम इस बात पर गहनता से चर्चा कर रहे हैं कि विवाह की तैयारी कर रहे मसीही युवाओं को क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए। मुझे विश्वास है कि ये सभी जानकारियाँ आपके लिए फायदेमंद रही होंगी। अब, हम इस श्रृंखला के अंतिम भाग पर हैं।

ठीक है, एक दूल्हा और दुल्हन की कल्पना करें, जिनकी अभी-अभी सगाई हुई है। वे अपनी बातचीत शुरू करते हैं, जो एक घंटे, दो घंटे या यहाँ तक कि कई घंटों तक चल सकती है। वे कुछ ही दिनों में सालों की बातचीत को कवर कर सकते हैं। अब, बेशक, बात करने में कोई बुराई नहीं है। लेकिन यह जानना बुद्धिमानी है कि इसे कब खत्म करना है। एक कहावत है, 'किसी भी चीज़ की अधिकता बेकार है।' उसी तरह, कुछ लोग अपने पिछले पापपूर्ण जीवन की कहानियों जैसे अनावश्यक विवरण साझा करते हैं, जो समस्याएँ पैदा कर सकते हैं और सगाई भी तोड़ सकते हैं। इसके बजाय, परमेश्वर के बच्चों को समझदारी से चलने के लिए कहा जाता है।

क्या विलासिता आवश्यक है?

कुछ युवा, अपने मित्रों की सलाह पर चलते हुए, अमीर परिवारों की शानदार शादियों की नकल करना चाहते हैं और अपने माता-पिता से अनावश्यक फिजूलखर्ची पर व्यय करने का आग्रह करते हैं। उदाहरण के लिए, विवाह के निमंत्रण को सरलता से मुद्रित किया जा सकता है, या उन्हें उच्च लागत पर प्रीमियम पेपर पर बनाया जा सकता है। लेकिन सिर्फ इसलिए कि यह एक उच्च-स्तरीय निमंत्रण है इसका मतलब यह नहीं है कि लोग इसे हमेशा के लिए रखेंगे। शादी के विवरण को उचित रूप से बताने पर ध्यान देना बेहतर है।

खर्च करने से पहले, अपने आप से पूछें, "क्या यह वास्तव में आवश्यक है? क्या होगा अगर हमारे पास यह नहीं है? क्या यह परमेश्वर को प्रसन्न करेगा?" कई फिजूलखर्ची वाली विवाह जिनमें लाखों और करोड़ों खर्च होते हैं, अक्सर आपदाओं का कारण बनती हैं, जबकि साधारण शादियाँ आने वाली पीढ़ियों के लिए आशीर्वाद ला सकती हैं। आइए याद रखें कि हम मसीह के बच्चे हैं और उसी के अनुसार कार्य करें।

पहला निमंत्रण

आपकी शादी तय हो गई है। इतने दिनों तक, आपने जीवनसाथी के लिए प्रार्थना की; अब, आपका पहला कदम प्रार्थना के माध्यम से अपने विवाह में सबसे पहले अतिथि, यीशु को आमंत्रित करना होना चाहिए। काना में विवाह में, यीशु और उनके शिष्यों को आमंत्रित किया गया था (यूहन्ना 2:2)। हालाँकि उत्सव भव्य था, लेकिन एक समस्या थी – दाखरस खत्म हो गई थी। अन्य पेय पदार्थों के विपरीत, दाखरस को तुरंत तैयार नहीं किया जा सकता है; इसका असली स्वाद पाने के लिए इसे कम से कम तीन दिनों तक किण्वन की आवश्यकता होती है। लेकिन चूँकि यीशु उस शादी में मौजूद थे, इसलिए किसी को भी इसके अस्तित्व के बारे में पता चलने से पहले ही यह समस्या हल हो गई।

परमेश्वर को अपने साथ रखें

अपनी विवाह की योजना बनाने से लेकर विवाह के दिन तक, अपने परिवार के साथ हर विवरण के बारे में प्रार्थना करें आमंत्रण प्रिंट करना, किसे आमंत्रित करना है, विवाह के कपड़े खरीदना, भोजन तैयार करना आदि।

हालाँकि, जैसे-जैसे दिन नज़दीक आता है, कुछ लोग चिंता करना शुरू कर सकते हैं: "मेरे माता-पिता वित्त का प्रबंधन कैसे करेंगे? क्या होगा अगर हम कुछ रिश्तेदारों को आमंत्रित करते हैं, और वे समस्याएँ पैदा करते हैं? या इससे भी बदतर, क्या होगा अगर हम उन्हें आमंत्रित नहीं करते हैं?" अन्य लोग इस बारे में चिंता कर सकते हैं कि क्या भोजन पर्याप्त होगा या परिवार के बुजुर्ग सदस्यों के स्वास्थ्य के बारे में। आपकी जो भी चिंताएँ हों, उन्हें परमेश्वर के साथ साझा करें। लोगों को बताने और रोने के बजाय, अपनी चिंताओं को एक जर्नल या प्रार्थना नोटबुक में लिखें और उन पर प्रतिदिन प्रार्थना करें। यदि संभव हो, तो उपवास प्रार्थना के लिए एक दिन अलग रखें। और फिर? आप अपने विवाह में एक भी दोष नहीं पाएँगे, चाहे आप कितनी भी मुश्किल में हों। प्रभु निश्चित रूप से आपके लिए सब कुछ ठीक कर देंगे!

('निसुइन बेरीथ' का निष्कर्ष अगले अंक में जारी रहेगा...)

अपने फोन को समझदारी से संभालें

TECH - 10

मैं इस तकनीकी लेख के माध्यम से आपसे फिर से जुड़ने के लिए बहुत उत्साहित हूँ। पिछले महीने, हमने मेटाएआई(metaAI) की दुनिया की खोज की, और इस बार, मैं आपके साथ साझा करने के लिए एक और दिलचस्प विषय लेकर आया हूँ। तो, चलिए शुरू करते हैं!

आमतौर पर, जब हम स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं, तो कुछ ऐप को कुछ सुविधाओं को खोलने के लिए सशुल्क सदस्यता की आवश्यकता होती है। भुगतान से बचने के लिए, कुछ लोग मॉड एपीके(MOD APKS) का उपयोग करते हैं - ये तीसरे पक्ष के डेवलपर्स द्वारा जोड़े गए अतिरिक्त सुविधाओं वाले ऐप के संशोधित संस्करण हैं और निजी वेबसाइटों पर जारी किए गए हैं। जबकि मॉड किए गए ऐप कुछ शानदार अतिरिक्त सुविधाएँ प्रदान कर सकते हैं, उन्हें एंड्राइड प्ले स्टोर (ANDROID PLAY STORE) के बजाय अनधिकृत स्रोतों से डाउनलोड करने से आपका डिवाइस गंभीर सुरक्षा जोखिमों में आ सकता है।

जब भी आप कोई ऐप इंस्टॉल करते हैं, तो यह आमतौर पर आपके फ़ोन की फ़ाइलों, फ़ोटो, स्थान और बहुत कुछ तक पहुँचने की अनुमति माँगता है। यदि आप बिना सोचे-समझे बस "अनुमति दें" दबाते हैं, तो आप अनजाने में किसी अजनबी को अपने सभी व्यक्तिगत डेटा तक पहुँच दे सकते हैं - जैसे कि आपकी फ़ोटो, संपर्क सूची, आप कहाँ गए हैं, और यहाँ तक कि आपका गूगल (GOOGLE) खोज इतिहास भी! इससे भी बदतर, वे आपके फ़ोन के कैमरे या माइक को हैक करके आपकी गतिविधियों को गुप्त रूप से रिकॉर्ड कर सकते हैं और बाद में आपको ब्लैकमेल कर सकते हैं। इसलिए, युवा तकनीक-प्रेमी लोगों के रूप में, अपने दोस्तों और परिवार के बीच इन जोखिमों के बारे में जागरूकता बढ़ाना महत्वपूर्ण है। यदि आपने पहले से ही कोई संदिग्ध ऐप डाउनलोड किया है, तो मैं आपको उन्हें तुरंत अनइंस्टॉल करने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ!

इसी तरह, क्लोन ऐप का उपयोग करने के बारे में सावधान रहें - आधिकारिक ऐप की प्रतियाँ जिनमें अक्सर बेहतर सुविधाएँ होती हैं लेकिन आपकी सुरक्षा से समझौता होता है। उदाहरण के लिए, GB व्हात्सएप (GB WhatsApp) पर विचार करें, जो व्हात्सएप का अधिक सुविधा संपन्न क्लोन है, जो हैकर्स को आपके संपर्कों, कैमरा, माइक्रोफ़ोन और फ़ाइलों तक पहुँच प्रदान करता है। आइए नवीनतम तकनीक का उपयोग करते समय सतर्क रहें और अपने ज्ञान का उपयोग अपने सभी कार्यों में परमेश्वर की महिमा करने के लिए करें!